पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छठ महापर्व की तैयारियों की समीक्षा की

छठ लोक आस्था, अनुशासन, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व : मुख्यमंत्री

छठ पूजा के प्रमुख स्थलों और घाटों पर साफ–सफाई, स्वच्छ पेयजल, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाए

प्रमुख पूजा स्थलों पर प्राथमिक चिकित्सा शिविर, एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय रखने के निर्देश

घाटों पर मजबूत बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेतक लगाए जाएं, पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित गोताखोरों, नावों और जल पुलिस की तैनाती हो

सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल के साथ महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए

उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम को अतिरिक्त बसों का संचालन करने के निर्देश

लखनऊ : 13 नवम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छठ महापर्व की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने कहा कि छठ लोक आस्था, अनुशासन, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व है। प्रदेश के वाराणसी, गोरखपुर, बलिया, आजमगढ़, चंदौली, भदोही, लखीमपुर खीरी, गाजीपुर, लखनऊ, गाजियाबाद, बस्ती और कानपुर नगर सहित विभिन्न जनपदों में लाखों श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ इस पर्व में सहभागी होंगे। ऐसे में सभी सम्बन्धित जनपदों में समय रहते व्यापक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगामी 15 नवम्बर को सायंकाल अस्ताचलगामी सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि आगामी 16 नवम्बर को प्रातःकाल उदय होते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जनपदों में छठ पूजा के प्रमुख स्थलों और घाटों का पहले से निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों के घाटों की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सम्पर्क मार्गों को ठीक कराया जाए। घाटों पर स्वच्छ पेयजल, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी की जाए। पूजा स्थलों तक पहुंचने वाले मार्ग साफ–सुथरे और सुगम रहें।

मुख्यमंत्री जी ने व्रतियों, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि घाटों पर जलस्तर और गहराई का आकलन कर संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया जाए। वहां मजबूत बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेतक लगाए जाएं। पर्याप्त

संख्या में प्रशिक्षित गोताखोरों, नावों और जल पुलिस की तैनाती हो। किसी भी श्रद्धालु को गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं। प्रमुख घाटों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरों और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से निरन्तर निगरानी रखी जाए।

प्रमुख घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए। पुलिसकर्मियों की काउंसिलिंग कर उन्हें संयमित, संवेदनशील और सहयोगपूर्ण व्यवहार के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जाए। प्रत्येक जिले में कण्ट्रोल रूम स्थापित कर घाटों और आसपास के क्षेत्रों की व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी जाए। भीड़ प्रबन्धन के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी आपसी समन्वय से काम करें। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए प्रभावी यातायात योजना तैयार की जाए। प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति न बनने पाए। इसके लिए आवश्यकतानुसार यातायात डायवर्जन लागू करने के साथ ही वाहनों के लिए पहले से पार्किंग स्थल चिन्हित किए जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन करने के निर्देश दिए, ताकि लोग अपने परिजनों के साथ छठ महापर्व मना सकें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी यात्री से निर्धारित किराये से अधिक वसूली न हो।

मुख्यमंत्री जी ने नगर विकास, पंचायतीराज सहित सम्बन्धित विभागों को आपसी समन्वय से घाटों एवं उनके आस–पास विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के साथ वैकल्पिक प्रकाश स्रोत भी उपलब्ध रहें, ताकि किसी भी परिस्थिति में अंधेरा न हो। आतिशबाजी और अन्य गतिविधियों से उत्पन्न होने वाली सम्भावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सतर्कता बरती जाए। घाटों पर पशुओं का आवागमन रोकने के लिए भी उचित प्रबन्ध किए जाएं। साथ ही, अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

मुख्यमंत्री जी ने सभी प्रमुख पूजा स्थलों पर प्राथमिक चिकित्सा शिविर, एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पहले से पूरी तरह तैयार रहे। स्थानीय आयोजकों और पूजा समितियों के साथ समन्वय बनाकर व्यवस्थाएं की जाएं। पर्व के दौरान स्वच्छता, सुरक्षा और जनसुविधाओं से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं व्यवस्थाओं का निरीक्षण करें। व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सिविल डिफेंस, एन0सी0सी0 और एन0एस0एस0 के स्वयंसेवकों का भी सहयोग लिया जाए।

इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा जोन, रेंज, मण्डल तथा जनपद स्तर के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

————————————